पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

कोलखंडा खास

पंचायत- कोलखंडा खास

तहसील- दोवड़ा, जिला- डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

कोलखंडा खास गाँव का परिचय

कोलखंडा खास गाँव, ग्राम पंचायत-कोलखंडा खास का एक राजस्व गाँव है । कोलखंडा खास गाँव डूंगरपुर जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में स्थित है । कोलखंडा खास गाँव के सबसे नजदीकी गाँव कुबेरा, कोलखंडा पाल, रामा, जोगीवाड़ा, समोता का ओड़ा, और समोता है ।

गाँव में करीब 190 घर है जिनकी आबादी करीब 1000 है। गाँव में एक भी घर एस.टी. जाति का नहीं है, ज्यादातर ओ.बी.सी. और सामान्य जाति के घर जिनमे पाटीदार, लोहार, यादव, सेवक, दर्जी, नाई, जोगी और सामान्य जाति में ब्राह्मण जाति के लोग है । ये सभी अपने समाज के लोगों के साथ समूह में रहते है । गाँव के सभी घरों में बिजली की सुविधा है लेकिन बिजली विभाग के मनमाने ढंग से बिल थमा देने से परेशान भी है । अक्सर रात को बिजली कट जाती है जिस कारण रात अँधेरे में गुजारनी पड़ती है अधिकतर लोगो के पास खेती की जमीन समतल है । लेकिन ये खेत असिंचित है क्योंकि सिंचाई के लिए पानी प्रर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है । उसमे केवल बरसात के मौसम में ही फसल होती है जैसे - मक्का, उड़द, मूंग, और अरहर । जिनके पास बोरवेल की सुविधा है वे लोग खाने के लिए गेहूँ भी उगाते है । पंचायत भवन, पटवार-मंडल, पोस्ट-ऑफिस और राशन की दुकान गाँव में ही है । यहां आने जाने के लिये 4 पक्की, 7 सी.सी. सड़के और 6 कच्ची सड़के है, और एक बस स्टैंड भी है । गाँव की कृषि जमीन 1500 बीघा, बेनामी जमीन 1100 बीघा और चारागाह की जमीन अलग से शामिल है । गाँव में जंगल की जमीन बिल्कुल नहीं बची है । बिलानाम और चारागाह जमीन वन विभाग के कब्जे में है ।

आवागमन की स्थिति

जिला मुख्यालय डूंगरपुर से गाँव तक जाने के लिए रोडवेज बस पुनाली तक मिलती है उसके बाद जीप और ऑटो से गाँव में जा सकते है । पंचायत का मुख्य गाँव होने के कारण यहाँ की आवागमन के सड़क व्यवस्था अच्छी है । कोलखंडा खास गाँव में चार पक्की डामरीकृत सड़के है, लेकिन 2 सड़के टूटी हुयी और एक अधूरी है । इसके अलावा 7 सी.सी. सड़के है और गाँव के भीतर के कुछ फलों में जाने के लिए 6 कच्ची सड़के है। गाँव के मुख्य सड़क पर एक बस स्टैंड है जहाँ से प्राइवेट बस, ऑटो और जीप दूसरे गाँवो में जाने के लिए मिल जाते है । बस स्टैंड की हालत बिल्कुल जर्जर हो गयी है न तो पीने के पानी की व्यवस्था है न ही शौचालय है । गाँव की कच्ची सड़को पर केवल निजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है, क्योंकि ये बहुत सकरी है । गाँव के लोग खरीदारी के लिए मुख्य बाजार पुनाली 8 किमी और डूंगरपुर 40 किमी दूर जाते है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है।

शिक्षा व स्वास्थय

गाँव में एक सीनियर सेकेंडरी स्कूल और प्राथमिक स्कूल है जिसमे इस शैक्षणिक वर्ष (2018) में प्राथमिक स्कूल में 40 बच्चों का नामांकन हुआ है जिनके लिए 3 अध्यापक नियुक्त है और सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 280 छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है और बच्चों को पढ़ाने के लिए 12 अध्यापकों का स्टाफ नियुक्त किया गया है । दोनों ही स्कूलों की छत से पानी टपकता है, कक्षा-कक्ष कम है, खेल के मैदान की बाउन्ड्री टूटी हुई है तथा अलग-अलग शौचालय भी नहीं बने है और शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । बच्चों के पीने के लिए साफ पानी हेतु आर.ओ. नहीं लगा है गाँव में पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत ही ज्यादा है । गाँव के अधिकतर बच्चे स्कूल जाते है । लेकिन अधिकतर बच्चों को काफी

दूर पैदल चल कर स्कूल जाना पड़ता है । स्नातक स्तर की शिक्षा लेने के लिए बच्चों को 40 किमी दूर डूंगरपुर जाना पड़ता है, ज्यादातर बच्चे वही पर किराये के कमरे या हॉस्टल में रहते है । गाँव में 1 आंगनवाडी है, लेकिन आंगनवाडी में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है ज्यादातर बच्चों के लिए यह बहुत दूर है, इस कारण गाँव के बच्चे उसमे कम ही जाते है । गाँव में एक उपस्वास्थ्य केन्द्र है और एक आयुर्वेदिक दवाखाना है । उप-स्वास्थ्य केंद्र का भवन जर्जर हो गया है, इसकी छत से पानी टपकता है और पीने के पानी की व्यवस्था भी नहीं है । नजदीकी सरकारी हॉस्पिटल दामड़ी में है और बड़ा सरकारी हॉस्पिटल डूंगरपुर में 40 किमी दूर है । बीमार लोगों के लिए 108 और एम्बुलेन्स की सुविधा सूचना देने पर मिल जाती है । पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल पुनाली में 8 किमी दूर है । पशु के बीमार होने पर डॉक्टर को घर ही बुलाया जाता है क्योंकि पशु को ले जाने में खर्चा अधिक आता है ।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के सभी घरों में बिजली है। गाँव में 3 बिजली के ट्रांसफार्मर है। गाँव में 163 परिवारों को विभिन्न आवास योजनाओं के अंतर्गत लाभ मिला है, जिसमें से 16 इंदिरा आवास, 38 प्रधानमंत्री आवास और 113 मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है तथा गाँव में 182 पेंशनधारी है, जिनमें 50 महिलायें तथा 59 पुरूषों को वृद्धावस्था पेंशन, 45 महिलाओं को विधवा पेंशन और 2 महिलाओं कों एकलनारी पेंशन मिलती है । गाँव में लगभग 150 घरों में गैस कनेक्शन है कुछ लोगों ने निजी कनेक्शन ले रखा है ।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि की जमीन 1500 बीघा है । गाँव की ज्यादातर कृषि जमीन समतल है लेकिन कही कही पर उबड़-खाबड़ और पथरीली जमीन भी है, लेकिन ये खेत असिंचित है क्योंकि सिंचाई के लिए पानी प्रर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है । उसमे केवल बरसात के मौसम में ही फसल होती है जैसे - मक्का, उड़द, मूंग, और अरहर । जिनके पास बोरवेल की सुविधा है वे लोग खाने के लिए गेहूँ भी उगाते है । जिनके पास समतल जमीन है वो छह - सात महीने खाने और जिनके पास उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन है वो चार-पांच महीने खाने भर का अनाज उगा लेते है । फिर बाजार से या राशन की दुकान से खरीदकर लाना पड़ता है ।

गाँव में रोजगार की स्थिति ख़राब है, रोजगार के नाम पर मनरेगा का काम गाँव में चलता है जिसमे महिलायें ज्यादा जाती है क्योंकि पुरुष बाहर जाकर कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है । मनरेगा में काम तो मिल जाता है लेकिन काम की पूरी नपती ना होने और मस्टरोल में हेरफेर से नाम चढ़ाये जाने से मजदूरी भी कम मिलती है । कई बार शहर में काम ना मिलने पर खाली हाथ घर जाना पड़ता है । गाँव के युवा और पढ़े-लिखे पुरुष अपने परिवार के साथ गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर बच्चों की अच्छी शिक्षा और बेहतर जीवन की उम्मीद में पलायन कर जाते है, जहां वे फेक्ट्रियो में काम करते है।

सिंचाई के पानी की स्थिति

गाँव में पानी की स्थिति काफी विकट है, सिंचाई के पानी के लिए 3 तालाब है एक बड़ा और दो छोटे तालाब लेकिन सिर्फ एक बड़े तालाब में ही पानी पूरे साल रहता है । बाकी दो तालाब में बारिश के बाद पानी तेजी से कम हो जाता है और सूख जाता है । गाँव में 10 कुएं और एक नाला है जिसपर 4 एनिकट बने है, ऊपर के 2 एनिकट टूटे है उनमे दरारे पड़ गयी है जिससे पानी रिस कर निकल जाता है, इस

कारण नीचे के 2 अच्छे एनिकटो में भी पानी कम हो जाता है । सिचाई के लिए पानी बारिश के बाद तीन माह के लिए ही मिल पाता है । बड़ा तालाब गहरा है लेकिन इसकी रिंगवाल कमजोर है । उसमे पानी की आवक अच्छी है लेकिन टिक नही पाता है । 10 कुओं में से 3 कुएं पानी उपलब्ध कराते है जो नाले के पास है, इनसे भी गर्मी में मात्र पशुओ के पीने जितना ही पानी मिल पाता है । गाँव में अधिकतर लोगो ने निजी बोरवेल भी खुदवाये है, गर्मी में पानी का जल स्तर 200 फीट नीचे चला जाता है और पानी की कमी हो जाती है ।

कोलखंडा खास गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण

प्राकृतिक संसाधनों का विघटन

गांव में बिलानाम जमीन और चारागाह सभी वन विभाग के कब्जे में है । गाँव में जंगल की जमीन खत्म ही हो गयी है आज से 30 साल पहले सभी छोटी पहाड़ियाँ हरी-भरी थी और उनपर घास एवं सागवान, गोंद, आवला, महुआ के पेड़ थे, जंगल से चारा, लकड़ी, ढाक के पत्ते जैसी लघुवन उपज होती थी। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते थे, लेकिन अब जंगल खत्म हो गया है, सागवान, महुआ के पेड़ खत्म हो गये है । चारागाह भूमि पर बारिश में घास उगती है जिसे वन विभाग से अनुमति लेकर एक निश्चित राशि जमा करने के बाद ही चारा काटते है।

जल व भूमि प्रबंधन की कमी

गाँव के तालाब, नाला, एनिकट और कुएं जल्दी ही सूख जाते है क्योंकि ऊँचाई कम होने और रिन्ग्वाल में दरारे होने के कारण पानी रिस कर निकल जाता है और सालभर पानी नहीं रहता है। गाँव के बड़े तालाब में वर्षभर पानी रहता है । और 4 एनिकट में से 2 एनिकट जर्जर है और बचे दोनों एनिकट में गर्मी तक पानी बहुत कम हो जाता है । गाँव में पानी का स्तर 200 फुट गहराई में चला गया है । गाँव में 10 कुएं है, जिसमे से मात्र 3 कुएं चालू रहते है बाकी कुएं सूखे ही रहते है । चालू कुओं में गर्मी के खत्म होते पानी इतना ही बचता है कि पशुओ के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हो पाती है । गाँव में 8 हैंडपंप है जिसमे से 6 हैंडपंपों से पूरे साल पीने का पानी मिल जाता है । यदि कोई हैंडपंप ख़राब भी हो जाते है तो गाँव के लोग जलदाय विभाग और पंचायत को बताकर उसे ठीक करवा लेते है । सभी हैंडपंप और बोरवेल का पानी खारा फ्लोराइड और आयरनयुक्त है । वर्षाजल को संरक्षित करने के विषय में गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है न ही पंचायत और सरकार इस समस्या की ओर ध्यान दे रही है । पानी की कमी को पूरा करने के लिए बोरवेल भी खुदवाये है, जिस कारण पानी का स्तर तेजी से नीचे चला जा रहा है ।

गाँव में ज्यादातर लोग कई पीढियों से गाँव में रह रहे है लेकिन उनको उनकी कब्जे की जमीन का पट्टा या अधिकार पत्र नहीं मिला है इसका मुख्य कारण पट्टे के लिए आवेदान करने और उसको जमा कहाँ करना है उसकी जानकारी की अनभिज्ञता है । गाँव की चारागाह की जमीन पर वन विभाग ने कब्ज़ा कर लिया है, छोटी-छोटी डुंगरियों पर लोगो ने कब्ज़ा कर रखा है। गाँव की आबादी बढ़ने से भी खेती की जोत भी कम हो रही है । खेत की जोत भी उबड़-खाबड़ और पथरीली है, उन्हें समतलीकरण की आवश्यकता है । खेतों में सिंचाई के पानी का संकट रहता है जिस कारण लोग खाने के लिए अनाज का उत्पादन पूरी तरह से बारिश पर ही निर्भर है ।

आवागमन की समस्या

पंचायत का मुख्य गाँव होने के कारण यहाँ की आवागमन के सड़क व्यवस्था अच्छी है । कोलखंडा खास गाँव में चार पक्की डामरीकृत सड़के है, लेकिन 2 सड़के टूटी हुयी और एक अधूरी है । इसके अलावा 7 सी.सी. सड़के है लेकिन इनके साथ बनी नालिया टूट गयी है और सफाई के अभाव में कीचड़ भर गया है, जिससे नालियाँ अवरूध्द हो जाती है और गन्दा पानी सड़कों पर फ़ैल जाता है । और गाँव के भीतर के कुछ फलों में जाने के लिए 6 कच्ची सड़के है। गाँव के भीतरी इलाके में जाने के लिए जितनी भी कच्ची सड़के है वो इतनी सकरी है कि केवल पैदल या मोटर साइकिल से जा सकते है । बारिश के मौसम में मिटटी की कच्ची सड़को पर चलने वालो को काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है । गाँव के मुख्य सड़क पर एक बस स्टैंड है जहाँ से प्राइवेट बस, ऑटो और जीप दूसरे गाँवो में जाने के लिए मिल जाते है । बस स्टैंड की हालत बिल्कुल जर्जर हो गयी है न तो पीने के पानी की व्यवस्था है न ही शौचालय है । गाँव से चलने वाले ऑटो और जीप चालक अपनी मनमर्जी से किराया वसूलते है और समय पर चलते भी नहीं है । गाँव की कच्ची सड़को पर केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है, क्योंकि ये बहुत सकरी है । सरकारी तय मानकों के आधार पर सड़क निर्माण सामग्री का उपयोग नहीं किया गया है और ना ही इसकी गुणवत्ता की जाँच की गयी है जिस कारण कुछ समय पूर्व बनी सड़के भी बहुत जल्दी टूट गयी है। पक्की सड़को पर खड्डे हो गये है और रात में रोशनी के लाइट न होने की जिसकी वजह से दुर्घटना की आशंका रहती है ।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य की स्थिति

गाँव में एक सीनियर सेकेंडरी स्कूल और प्राथमिक स्कूल है जिसमे इस शैक्षणिक वर्ष (2018) में प्राथमिक स्कूल में 40 बच्चों का नामांकन हुआ है जिनके लिए 3 अध्यापक नियुक्त है और सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 280 छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है और बच्चों को पढ़ाने के लिए 12 अध्यापकों का स्टाफ नियुक्त किया गया है । दोनों ही स्कूलों की छत से पानी टपकता है, कक्षा-कक्षों की कमी है, खेल के मैदान की बाउन्ड्री टूटी हुई है तथा अलग-अलग शौचालय भी नहीं बने है और शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । इन सभी ज्ञात कमियों के दूर ना दोने से न केवल बच्चों की पढाई बाधित होती बल्कि ज्ञानार्जन गुणवत्ता में भी कमी आती है । विद्यार्थियों का सामान्य ज्ञान, हिंदी ठीक से पढ़ना भी नहीं जानते है, अक्सर नियुक्त अध्यापक भी विद्यालय नही आते है क्योंकि उन्हें विद्यालय के अन्य कार्य भी करने पड़ते है । गाँव में पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत ही ज्यादा है इस जानकारी के ज्ञात होने के बावजूद बच्चों के पीने के लिए साफ पानी हेतु आर.ओ. नहीं लगा है गाँव के अधिकतर बच्चे स्कूल जाते है । लेकिन अधिकतर बच्चों को काफी दूर पैदल चल कर स्कूल जाना पड़ता है ।

गाँव में 1 आंगनवाडी है, लेकिन आंगनवाडी में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है और ज्यादातर बच्चों की लिए यह बहुत दूर है, इस कारण गाँव के बच्चे उसमे कम ही जाते है । गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र है और एक आयुर्वेदिक दवाखाना है । उप-स्वास्थ्य केंद्र का भवन जर्जर हो गया है, इसकी छत से पानी टपकता है और पीने के पानी की व्यवस्था भी नहीं है । नजदीकी सरकारी हॉस्पिटल दामड़ी में है और बड़ा सरकारी हॉस्पिटल डूंगरपुर में 40 किमी दूर है । बीमार लोगों के लिए 108 और एम्बुलेन्स की सुविधा सूचना देने पर मिल जाती है । पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल पुनाली में 8

किमी दूर है । पशु के बीमार होने पर डॉक्टर कों घर ही बुलाया जाता है क्योंकि पशु को ले जाने में खर्चा अधिक आता है ।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरी पालन किया जाता है । पर्याप्त मात्रा में बारिश ना होने के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जा सकता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारागाह भूमि पर भी ज्यादा चारा नही होता है । पर्याप्त और पौष्टिक पशु आहार के अभाव में दूधारू पशु दूध भी कम देते है । गाय 1 लीटर और भैंस ढाई लीटर ही दूध देती है । दूधारू पशु भी अच्छी नस्ल के नही है । चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरीदते है ।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

गाँव की कृषि जमीन पहाड़ी, उबड़-खाबड़ और पथरीली है, ज्यादातर लोगों के पास समतल खेती की जमीन है जो उन्होंने स्वयं के खर्चे से ट्रैक्टर या जे.सी.बी. की मदद से समतल करवाई है । गाँव में कृषि की जमीन 1500 बीघा है । गाँव में भू-जल स्तर 200 फुट से भी नीचे चला गया है। अधिकतम खेत असिंचित है क्योंकि सिंचाई के लिए पानी प्रर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये अधिकतर जल-स्रोत में गर्मी के मौसम में पानी कम हो जाता है। असिंचित खेतों में केवल बरसात के मौसम में ही फसल होती है जैसे - मक्का, उड़द, मूंग, और अरहर । जिनके पास बोरवेल की सुविधा है वे लोग खाने के लिए गेहूँ भी उगाते है । जिनके पास समतल जमीन है वो छह - सात महीने खाने और जिनके पास उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन है वो चार-पांच महीने खाने भर का अनाज उगा लेते है । कुछ लोगों ने पाने खेतों में महुआ, नींबू, आम और जलाऊ लकड़ी के लिए पेड़ लगा रखे है । जो उनके व्यक्तिगत काम में आ जाते है । अनाज खत्म होने पर बाजार से या राशन की दुकान से खरीदकर लाना पड़ता है । राशन की दुकान गाँव में ही है । राशन की दुकान पर "जब तक शौचालय नहीं तब तक राशन नही" का सरकारी फरमान लागू है । राशन की दुकान पर गेहूं के अलावा कुछ नहीं मिलता है । राशन की दुकान पर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट ना आना या इन्टरनेट कनेक्टिविटी की भी समस्या रहती है, केरोसिन मिलना बंद हो गया है, खाना बनाने के लिए सभी को उज्ज्वला गैस का लाभ नहीं मिला है जिन्हें मिला भी है तो उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे दुबारा गैस सिलेन्डर कों रिफिल करवा पाये । *यदि वर्तमान में जो स्थिति बारिश की मात्रा और पानी को ना सहेजने की प्रवृति है वो बनी रही तो गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा संकट उत्पन्न होने वाला है । खेती में अधिकं रासायनिक खाद का उपयोग और सिचाई के पानी में ज्यादा खारापन होने के कारण जमीन कठोर हो गयी है और उत्पादन घट गया है ।*

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार की स्थिति ख़राब है, रोजगार के नाम पर मनरेगा का काम गाँव में चलता है जिसमे महिलायें ज्यादा जाती है क्योंकि पुरुष बाहर जाकर कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है। कई बार शहर में काम ना मिलने पर खाली हाथ घर जाना पड़ता है । गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है।

अभी मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टरोल के रूपये नहीं मिले है। रोजगार के साधनों के अभाव के पीछे मुख्य कारण अच्छी तकनीकी शिक्षा नहीं मिलना और उन्नत खेती के प्रशिक्षण का अभाव है । रोजगार और आजीविका के साधनों की कमी के कारण गाँव से शहरों की ओर पलायन भी बढ़ रहा है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नाला एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में 1 बड़ा नाला, 4 एनिकट, 3 तालाब 10 कुएं है । लेकिन इन सभी में गर्मी में पानी कम हो जाता है । गाँव का भू-जल स्तर 200 फीट नीचे चला गया है । सिंचाई और पीने के पानी की कमी को पूरा करने के लिए ज्यादा बोरवेल खोद दिए गये है जिससे भूमिगत जल-स्तर नीचे चला गया है और बोरवेल में भी पानी बहुत कम हो जाता है । गाँव में एक नाला है जिसपर 4 एनिकट बने है, ऊपर के 2 एनिकट टूटे है उनमे दरारे पड़ गयी है जिससे पानी रिस कर निकल जाता है, इस कारण नीचे के 2 अच्छे एनिकटो में भी पानी कम हो जाता है, सिंचाई के पानी के लिए सिर्फ एक बड़े तालाब में ही पानी पूरे साल रहता है । बाकि दो तालाब में बारिश के बाद पानी तेजी से कम हो जाता है । । सिचाई के लिए पानी बारिश के बाद तीन माह के लिए ही मिल पाता है । 10 कुओं में से 3 कुएं और 6 हैंडपंप पानी उपलब्ध कराते है। जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है । चालू कुओं के पानी से सिंचाई और मवेशियों के पानी के लिये व्यवस्था की जाती है ।	फ्लोराइड मुक्त पेयजल के लिए गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना । नाले की रिन्गवाल की मरम्मत करवाकर गहरी करना । खेतों में पानी के लिए छोटे पक्के गड्डे बनाना ताकि सिंचाई के लिए पानी को रोका जा सके । तालाबों को गहरा करवाना । एनिकट मरम्मत करना और ऊंचाई बढ़ाना ताकि ज्यादा समय तक पानी रहे तथा सिचाई भी पूरी हो सकती है । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है।
जमीन कृषि भूमि	गाँव में कृषि जमीन अधिकतर उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन है, कुछ जमीन	गाँवसभा प्रस्ताव में दर्ज करवाकर केटेगरी-4 में भूमि समतलीकरण अपना काम

बिला नाम भूमि चरागाह पहाड़	ही समतल है, । कृषि जमीन 1500 बीघा है, बेनामी जमीन पर वन विभाग का अधिकार है। पहाड़ियों पर विलायती बबूल के पेड़ है । चारागाह से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पत्ते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है।	योजना के तहत करवाकर उसे अधिक उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की जिस जमीन पर खेती नहीं होती है या जंगली घास है उसे साफ करके वृक्षारोपण रोपण करना, लघुवनोपज से आय के साधन बनाए जा सकते हैं।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव में 4 पक्की सड़कों में से 2 टूटी हुई है और 1 सड़क अधूरी है । सी.सी. सड़के भी खराब हो गयी है उनमे खड्डे पड़ गये है और नालियाँ भी टूट गयी है । 5 कच्ची मिट्टी की सड़के है जो बारिश में फिसलन भरी और कीचड़ से लबालब हो जाती है । सड़कों के खस्ताहाल से ज्यादा परेशानी मरीजों और गर्भवती महिलाओ को समय पर सुविधा नहीं मिल पाती है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है ।	गाँव के सभी कच्चे रास्ते चौड़े करके सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी पक्की सड़क, सी.सी. सड़क को पुनः बनाया जाये और अधूरी पड़ी पक्की सड़क के काम को पूरा करवाना तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी ।
सीनियर सेकेंडरी और प्राथमिक विद्यालय	गाँव में दोनों विद्यालयों के भवन कमजोर हो गये है, कमरों की कमी, बारिश में पानी टपकने की समस्या है । शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था भी नहीं है ।	स्कूल की मरम्मत और नये कमरे बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा कर पानी की व्यवस्था करना । स्कूल में बच्चों के पीने के पानी के लिए आर.ओ. प्लांट लगाया जा सकता है ताकि बीमारियों से मुक्त रहे । अध्यापकों को समय पर आने के लिए पाबंद करना ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में सीनियर सेकेंडरी और प्राथमिक विद्यालय है, स्कूलों के भवन जर्जर हो गये है । स्कूलों में खेल का मैदान और शौचालय की	गाँव सभा में प्रस्ताव लेकर अध्यापकों को पाबंद करना, कमरा निर्माण, शुद्ध पानी की व्यवस्था और नये शौचालय बनवाने	तात्कालिक

			स्थिति सही नहीं है । पीने के शुद्ध पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है । कक्षा-कक्षों की कमी है ।	हेतु पंचायत और शिक्षा विभाग से ज्ञापन देकर समस्या हल करना	
2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में भू-जल 200 फिट गहराई में चला गया है । गाँव में कुछ कुएं और हैंडपंप सूखे है और जो चालू है उनका पानी फ्लोराइड युक्त है। तालाब में पानी कम रुकने और कुओं में जल स्तर नीचे जाने से पशुओ के लिए भी पानी कम हो जाता है ।	जो हैंडपंप बंद हो गये है उन्हें गहरा कर चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकी फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में बरसात के पानी को एनिकट बना कर और तालाब में ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँव सभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	**दीर्घकालिक**
3	**कृषि संबधी समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई के लिए प्रर्याप्त पानी की कमी, भौगोलिक स्थितियों का अनुकूल न होना, भू-जल स्तर लगातार नीचे जाना, उन्नत बीज और उन्नत कृषि तकनीकी ज्ञान की कमी, कृषि विभाग की अनदेखी, रासायनिक खादों का अधिक उपयोग, मिटटी और मौसम के अनुसार खेती नहीं करना इत्यादि कारण भी कृषि उत्पादन को प्रभावित करते	अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत उबड़ खाबड़ खेतों को समतल करना, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों में कच्चे चेकडैम और पक्के टांके का निर्माण। घर के आँगन में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना । जैविक खाद का प्रयोग, कृषि विभाग द्वारा प्रशिक्षण कार्यशालाये चलाना ।	**तात्कालिक**

			है ।		
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में सड़क व्यवस्था चरमराई हुई है । पक्की और सी.सी. सड़के टूटी हुई है । कच्ची सड़के भी बारिश के समय कीचड़ में हो जाती है । राहगीरों को आने-जाने में समस्या रहती है ।	गाँवसभा बनने के बाद बैठकों में कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना और जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं । टूटी हुई सड़कों को ठीक करवाने के लिए पंचायत में प्रस्ताव देना ।	**तात्कालिक**
5	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना और सामुदायिक भूमि पर अधिकार नहीं**	**सार्वजनिक**	गाँव में लोगों को उनके कब्जे की जमीन का खातेदारी हक नहीं मिला है । वर्तमान में राजस्व विभाग ने खातेदारी हक देना बंद कर दिया है। जिसके कारण भविष्य में सरकारी फरमानों से जमीन जाने का खतरा है । जानकारी के अभाव में गाँव के लोगो ने चारागाह व बिलानाम जमीन पर दावा फाइल नहीं लगाई है ।	कब्जे की जमीन के लिए व्यक्तिगत दावा और जंगल की जमीन के लिए सामुदायिक दावा करना । कब्जे की जमीन की पैनल्टी कोर्ट में जमा करना और धारा 91 के अनुसार काबिज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	**दीर्घकालिक**
6	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान गाँव में ही है, अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है । राशन की दुकान पर गेहूं के अलावा कुछ नहीं मिलता है, मिट्टी का तेल बंद करने के साथ अन्य वस्तुएं राशन कार्ड पर मिलती है उन्हें भी बंद कर दिया गया है ।	राशन की दुकान ऐसे स्थान पर हो जहाँ इन्टरनेट की समस्या ना आये । जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना । राशन सामग्री पूरी और गुणवत्ता वाली दी जाये ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते, सी.सी. सड़क, पक्की सड़कें	गाँव में पक्की सड़के केवल गाँव में आने-जाने के लिए है । पक्की और सी.सी. सड़के टूटी हुई है । कच्ची सड़के ज्यादा नहीं है ।	रास्ते अच्छे होने से बीमार लोगों को आसानी से समय रहते इलाज मिल सकता है । लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी।	गाँव के लोग समस्या को लेकर दबाव नहीं बनाते है कि यह कार्य सरकार व पंचायत का है ।
जल नाला एनिकट तालाब कुआं हैंडपंप बोरवेल	गाँव में बारिश के जल संग्रहण के लिए उचित व्यवस्था नहीं है गाँव में एक तालाब, एक नाला और 4 एनिकट है जो की जर्जर अवस्था में है । इसके अलावा 3 चालू कुएं और 6 हैंडपंप है जो पानी उपलब्ध कराते है । गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना । जल संरक्षण के बारे में गाँव वालों में जागरूकता न होना । सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना ।	ढलान वाले स्थानों पर कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण,तालाब गहरीकरण और एनिकट के मरम्मत कराना । पानी को रोकने के लिए पक्की टंकी का निर्माण करवाना, जिससे अशुद्ध पीने के पानी की समस्या को दूर किया जा सकता है । भू-जल को सही तरीके से संरक्षित उपयोग करना ताकी जल स्तर एकदम से नीचे न जाये । बोरवेल से आवश्यकता होने पर ही पानी निकालना ।	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने को कोई कार्य योजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता।
रोजगार के साधन	गाँव में रोजगार के साधन खेती या नरेगा है । कृषि उत्पादन की कमी । अच्छी नस्ल के पशुओं का अभाव । अच्छी तकनीकी	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, अच्छी नस्ल के पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव । जमीन के बेहतर प्रबंधन की कमी।

	प्रशिक्षण नहीं मिलना ।	हैं।	
जमीन	सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। जमीन के पट्टे ना होना ।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में	
वृद्धा पेंशन	1
विकलांग पेंशन	1
पी.एम., सी.एम. आवास योजना नए निर्माण	40
बकाया राशि भुगतान के सम्बन्ध में	8
शौचालय की बकाया राशि भुगतान के सम्बन्ध में	14
उप-स्वास्थ्य केंद्र नया निर्माण के सम्बन्ध में	1
सीसी सड़क निर्माण के सम्बन्ध में	4
सथुरिया तालाब गहरीकरण व रिंगवाल	1
सिंचाई के लिए तालाब से नहर निकालना	1
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u> खेत समतलीकरण, मेड़बंदी, रिंगवाल, कुआं गहरीकरण और मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण	42
चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में	2
शमशान घाट निर्माण के सम्बन्ध में (स्नानघर, टिन-शेड, चबूतरा)	1
आपसी विवाद निपटारा के सम्बन्ध में	
सामाजिक बुराईयों पर रोक लगाने के सम्बन्ध में	

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

सेवा में ,

श्रीमान सरपंच/सचिव महोदय,
ग्राम पंचायत .....कोलगण्डा खास.....

विषय :- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है। इसके अनुसार धारा 3(ग) (I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है। हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर में पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम .....कोलगण्डा खास.....

प्रतिलिपि :-

1. श्रीमान विकास अधिकारी .....
2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय .....
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी .....
4. निजी रिकॉर्ड

ग्राम सेवक पदेन सचिव
ग्रा.पं. कोलगण्डा खास
पं.स.दोवडा जि. डूंगरपुर

(1)

पेसा कानून 1996 राजस्थान सरकार अधिनियम 1999 व नियम 2011 के अन्तर्गत आज दिनांक 22.8.2018 को [illegible] ग्राम गाँव की गाँव सभा की बैठक सामुदायिक भवन पर आयोजित की गयी। गाँव सभा में मौजूद गाँव वालों ने श्री सोमजी पटेल को अध्यक्ष चुना जिनकी अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही की गयी। गाँव सभा की बैठक निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गयी और उनका अनुमोदन किया गया।

एजेण्डा —

1. पेन्शन के सम्बन्ध में विचार
   (अ) वृद्धा पेन्शन
   (ब) विधवा पेन्शन
   (स) विकलांग पेन्शन
   (द) एकल नारी पेन्शन
   य पालनहार
2- पीएम आवास निर्माण के सम्बन्ध में विचार
3- शौचालय निर्माण व बकाया किस्त भुगतान के सम्बन्ध में विचार
4- विद्यालय के सम्बन्ध में विचार
5- आंगनवाड़ी के सम्बन्ध में विचार
6- रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में विचार
7- तालाब मरम्मत और गहरीकरण के सम्बन्ध में
8- तालाब से नहर निकालने के सम्बन्ध में विचार मुलेला एनीकट से नहर
9- हैण्डपम्प मरम्मत और नया हैण्डपम्प लगाने के सम्बन्ध में
10- खेत समतलीकरण, मेड़बन्दी कुआँ निर्माण, गहरीकरण मरम्मत और पशुवाड़ा निर्माण के सम्बन्ध में विचार
11 चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में विचार
12- एनीकट निर्माण व मरम्मत के सम्बन्ध में विचार
13- वृक्षारोपण के सम्बन्ध में विचार
14- वन पर सामुदायिक दावा करने के सम्बन्ध में विचार
15. काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावा करने के सम्बन्ध में विचार
16- श्मशान घाट मरम्मत व कमरा निर्माण के सम्बन्ध में विचार
17- सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के सम्बन्ध में विचार
18- गाँव के आपसी विवाद को गाँव सभा में निपटाने के सम्बन्ध में विचार

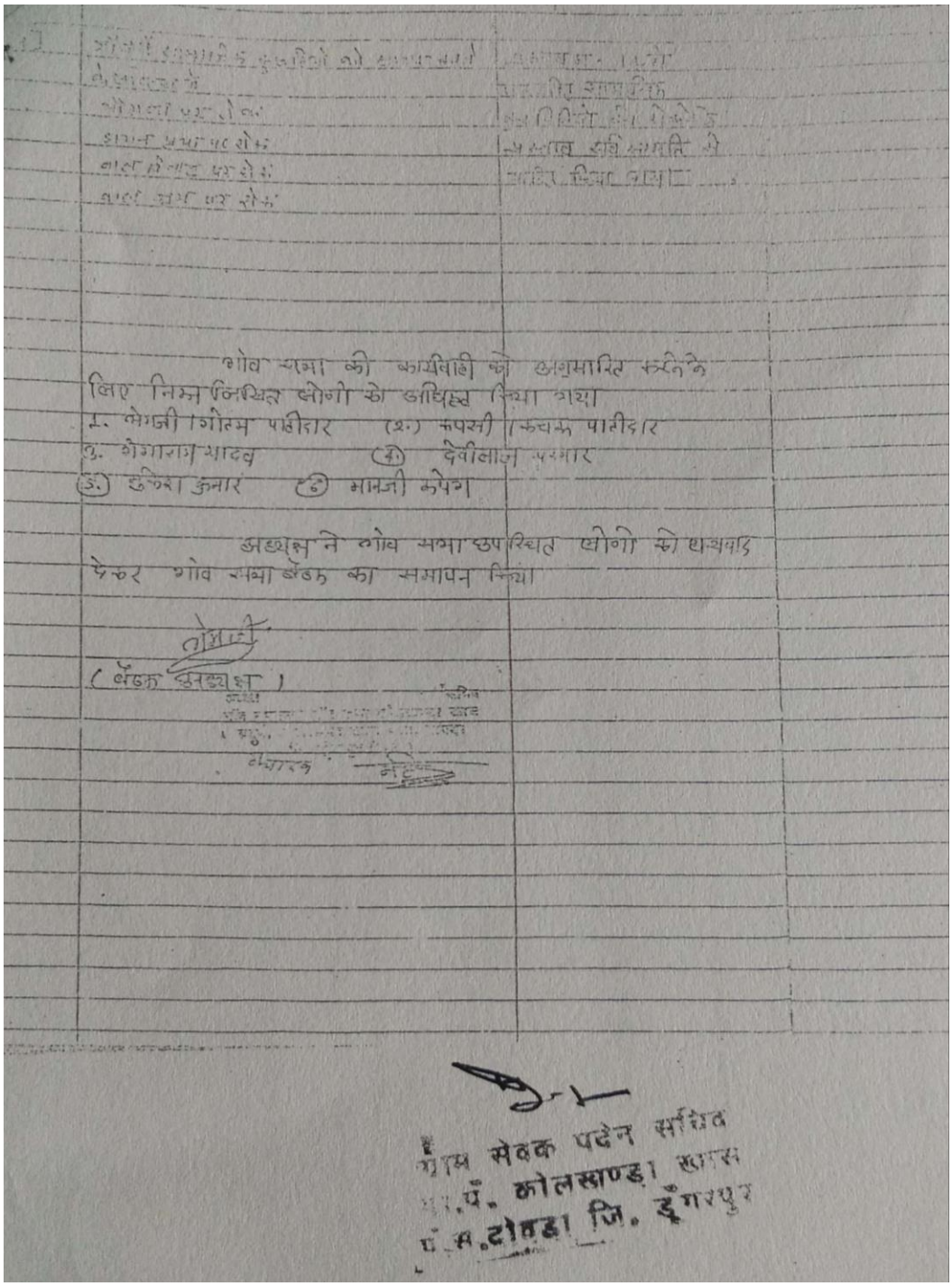

ग्राम सेवक पदेन सचिव
ग्रा.पं. कोलसाण्डा खास
पं.स.टोडा जि. डूंगरपुर

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1.	महेन्द्र नाई	9799580087
2.	माया / कोदर	7023637848
3.	सुखलाल / नाथू	9602523883
4.	सोहनलाल परमार	9001081624